

सेवामें

श्रीमान् उपखण्ड अधिकारी महोदय
न्यायालय माण्डल, जिला भीलवाड़ा (राज0)

उगमा भील बनाम मोहन जाट

प्रकरण संख्या - 15/17 वाप

प्रार्थनापत्र बाबत् राजीनामा

महोदय जी,

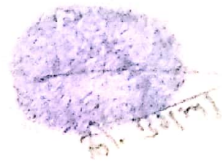
उक्त अनवान प्रकरण में वादी उगमा भील पिता श्री
घीसा जी भील, निवासी करणवास, तहसील माण्डल, जिला भीलवाड़ा
एवं की.ओर से निम्न सादर निवेदन है कि :-

- 1- यह कि उक्त प्रकरण की तारीख पेशी दिनांक 23-02-2018
की नियत है।
- 2- यह है कि उक्त प्रकरण मे वादी एवं प्रतिवादी के मध्य लोक
अदालत की भावना से राजीनामा हो चुका है। इसलिये वादी
उक्त प्रकरण को आगे नही चलाना चाहता है।

अतः श्रीमान् से निवेदन है कि राजीनामा स्वीकार किया
जाकर उक्त फाईल फैंसल शुमार की जावे।

माण्डल

दिनांक :- 9-1-18



Handwritten signature in blue ink.

फर्द अहकाम

(विधम 20)

राज आदालत उपखण्ड अधिकारी, माण्डल

डरमा वनाम - सोहन

सुकरमा १५ नं० १५ तम २०१७

पुस्तक या कार्यवाही मय इतिहासतः जज	नम्बर व तारीख अहकाम जो इस पुस्तक की तामील में जारी हुए
------------------------------------	--

यदि धर्मनामक मय जौम परस्तुत हुआ दर्ज रजिस्टर किया जाकर विवाहीपत्र को तामिल नोटिस जारी किये जाये । पत्रावली दिनांक १०-५-१७ को पेश हो।

उपखण्ड अधिकारी एवं सहायक सहायक माण्डल

18/7 पत्रावली को जोरावरपुरा को पेश हुई। जागाभी दिनांक 10.5.17 को पेश हो।

1/11/17 पत्रावली पेश हुई। वकील दादी उपस्थित। प्रतिवादीगणों के कानून काद ताकिल / तदक ताकिल प्राप्त नहीं है। वकील दादी प्रतिवादी गण की तलबी खाकत प्रोकेक करके उन पेश करने। पेश होने पर जारी हो। वस्तु प्रतिवादीगणों की तलबी हेतु पत्रावली दिनांक 24-1-17 को पेश हो।

24/1/17 उपखण्ड अधिकारी राजकीय कार्यालय में पेश कर है / पदरिक्त है। दिनांक 28.1.17 को पेश हो। उपखण्ड अधिकारी माण्डल


3-1-18 वकील दादी द्वारा एक प्रार्थना पत्र प्रस्तुत किये जाने से पत्रावली सिंगह से खलत की गई। वकील दादी उपस्थित। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र को शामिल पत्रावली किया गया। प्रस्तुत प्रार्थना पत्र में बताया कि हमारे दोनो पक्षों के बीच राजीनामा हो चुका है। अब वकील आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहता है। इस कारण वाद पत्र इसी स्टेज पर रवारिज फरमाया जाये।

उपखण्ड अधिकारी

दिनांक

हुकम या कार्यवाही मय इनिशयल्स जज

मैंने पत्रावली का अवलोकन किया, तथा प्रार्थना पत्र पर
मनन किया गया। व्यायक्ति से वकील वादी द्वारा प्रस्तुत
प्रार्थना पत्र स्वीकार किया जाकर वादी के वाद पत्र में
आपसी राजीनामा हो जाने तथा वादी द्वारा वाद पत्र
में अब आगे कोई कार्यवाही नहीं चाहने के कारण वादी
का वाद पत्र इसी स्ट्रेज पर स्वारिज किया जाता है।
पत्रावली फ़ैसल शुमार होकर दफ़्तर धारित हो।


उपजज अधिकारी
माण्डल